नगरीय निकायों का नहीं हो सका समुचित विकास

जनप्रतिनिधियों एवं शासकीय अमले का हुआ विकास

नवभारत न्यूज

पन्ना, 6 मार्च। प्रदेश सरकार द्वारा शहरों के समुचित विकास के लिए नवीन अवधारणा का निर्माण किया गया। जिसमें शहरी क्षेत्रों के समग्र विकास की कल्पना की गई थी जो केवल दिवा स्वप्न होकर रह गई। नगरीय निकायों का तो समग्र विकास नहीं हो सका लेकिन इससे जुडे शासकीय अमले एवं चुने हुए जनप्रतिनिधियों का समग्र विकास अवश्य हो गया है।

आज हम देखते हैं कि क्या यह शहर धूल की समस्या से मुक्त हो पाया। क्या यहां हरे भरे पार्को का समुचित विकास हुआ जहां लोग सुबह शाम घूम फिर सके। क्या राइट वाटर के अधिकार के अनुसार जनमानस को शुद्ध पानी मिलने लगा है क्या आवासहीन गरीबों को सस्ते दरों पर मकान मिल पाये या जिनके पास अपनी जमीने थी उन्हें आवास मिल गये। ये ऐसे सवाल हैं जो शहरी विकास की उस अवधारणा पर प्रश्न चिन्ह खडा करते हैं जिसके द्वारा शहरी क्षेत्र की जनता व गरीबों को सपने दिखाये गये थे। जिसके माध्यम से यह कहा गया था कि शहरी विकास के लिए नवीन अवधारणा के माध्यम से समग्र विकास होगा। किंतु ऐसा लगता है कि समग्र विकास के नाम पर जनता को केवल ठगने का काम किया गया है। जबकि शहरी क्षेत्र में यदि किसी का विकास हुआ है वह उन बडे बडे विल्डरों का हुआ है जिन्हें सरकारी संरक्षण में जमीने मिल गई, सस्ते दरो में जमीनों को कई सालों के लिए प्राप्त किया और फिर वहां बहुमंजिला भवनों का निर्माण कर कई करोडों का कारोबार किया। जनता की मूलभूत समस्यायें जहां थी वहीं हैं।

क्या थी नवीन अवधारणा:- शहरों में विकास की नवीन अवधारणा थी कि शहरों को धूल से मुक्त करना है, हर निकाय में कम से कम एक पार्क भी होना चाहिए, सडकों के किनारे पेविंग ब्लॉक वाला फुटपाथ भी जरूरी है। सभी निकायों में कम से 15 कचरा वाहन होने चाहिए। इस तरह की कल्पना शहरों के लिए की गई है और शासन की योजनाओं में भी इसका उल्लेख है। करोडों की राशि भी इसी कार्ययोजना के तहत जारी हुई होगी। किंतु सब कुछ अदृश्य है, अस्पष्ट है और संतोषजनक नहीं है।

राइट टू वाटर बना मजाक:- पानी की सुविधा के लिए सरकार ने राइट टू वाटर का कानून पास किया। दस्ता वेजों में पानी का अधिकार भी मिल गया। फिर मंचों के माध्यम से इसको लेकर भाषणबाजी हुई और हो रही है। किंतु जमीन में इसका फायदा कितना मिला आज तक स्थिति साफ नहीं है। बताया जा रहा है कि करोडों का बजट खर्च हो रहा है गांवों से लेकर शहर तक ठेके ले रहे हैं किंतु प्रगति संतोषजनक नहीं हैं समीक्षा होती है तो स्थिति बताने लायक नहीं होती। मानक के अनुसार एक व्यक्ति को 135 लीटर पानी प्रतिदिन मिलना चाहिए। किंतु यहां तो औसतन 50 लीटर भी प्रति व्यक्ति नहीं मिलता। यदि किसी मकान में दस लोग किराये से रहते हैं तो उन्हें नल जल को पहले पीने के लिए दौडना पडता है कि कम से कम एक या दो बाल्टी तो मिल जाये। फिर भी कागजों में पानी का अधिकार, मानक के अनुसार 135 लीटर प्रति व्यक्ति पानी की आपूर्ति आदि सब कुछ मिलना शुरू हो सकता है।

आवास की सुविधा दूर है गरीब:- गरीब को सपना दिखाया गया था कि 2024 तक कोई भी आवासहीन नहीं रहेगा। सभी के पास अपना घर होगा, अपना छत होगा क्या यह सपना पूरा हुआ जबाव यही है कि अभी दो वर्ष बाद भी नहीं। आवासीय योजनाओं में करोडों खर्च हो जाते हैं। किंतु वे आधी अधूरी ही पडी रहती है खानापूर्ति के लिए कुछ लोगों को आवास आवंटित करके प्रगति के आंकडों को दिखा दिया जाता है। किंतु उसके बाद साल बीतते चले जाते हैं जो पंजीकृत लोग होते हैं वह सब अपात्र हो जाते हैं और जो अपात्र होते हैं जो सक्षम होते हैं जिनके पास पहले से ही शहर व गांवों मे आवास रहते हैं उन्हें आवास का लाभ मिल जाता है। जबकि आवासीय योजनाओं की थ्योरी कहती है कि हर व्यक्ति को आवास की सुविधा मिलेगी। निकाय के सभी कच्चे मकानों को पक्के मकान में बदला जायेगा। किंतु यहां स्थिति कुछ और है। कच्चो मकान भी नींव से आगे नहीं बढ रहे हैं और जो बने भी हैं उनका भी वितरण नहीं हो रहा है। सीवेज सिस्टंम का हाल सामने दिख रहा है जबकि रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग अभी यहां शुरू ही नहीं हो पायी। स्वच्छ सर्वेक्षण के बाद शहरों की रेटिंग की जा रही है। अब आवारा पशुओं की संख्या के आधार पर शहरों की रेटिंग की जायेगी। उद्देश्य है कि शहरी नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होना चाहिए। किंतु सुधार के स्थान पर बिगडने की स्थिति अधिक बन रही है।

पावरफुल लोगों के लिए निर्माण में कोई नियम नहीं

यह भी एक विडम्वना बना है कि जो पावरफुल है उसके लिए कोई नियम काम नहीं करता। वह नियमों के विपरीत भी भवन निर्माण करवा सकता है। ऐसे भवनों की जानकारी लेने, परीक्षण करने नगर पालिका कभी नहीं पहुंचता। यदा कदा जब ऐसे बडे लोगों के भवन कार्रवाई के लिए चिन्हित भी किये जाते हैं तो हाहाकार मच जाता है और बीच में ही कार्रवाई स्थिगित करनी पडती है। निर्माण की अनुज्ञा के विपरीत भी कार्य होते रहते हैं फिर भी सक्षम अधिकारी मुहं मोड लेते हैं। शहर में देखा जा सकता है कि जितने भी आवासीय बडे बडे परिसर हैं जितने भी आवासीय बडे बडे परिसर हैं किसी के भी पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। किंतु जो नक्शा बना हुआ होगा और स्वीकृति दी गई होगी उसमें जरूर पार्किंग स्थल का उल्लेख किया गया होगा। यही कारण है कि ऐसे आवासीय परिसरों के बाहर सडकों में पार्किंग लगती है और जाम की स्थिति पैदा हो जाती है।

शहरों के विकास के लिए यह भी तय हुआ था

अब 20 साल की योजना बनेगी। किंतु इसके पीछे की सच्चाई कुछ और है सच्चाई यह है कि जिस हाई पावर कमेटी ने वर्ष 2009-2010 के मूल्यों के आधार वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर शहरी विकास की योजना पर अध्ययन किया था उसमें आगामी 20 सालों की कल्पना की गई थी। अमृत मिशन उसी की देन है। किंतु दस साल तो इस योजना के क्रियान्वयन में ही बीत गये और दस साल इसके पूरे होने मे बीत जायेंगे। तब तक पता चलेगा कि जहां से शुरूआत हुई थी वहां से योजना का अंत भी शुरू होना शुरू हो चुका है। इस तहर से योजनायें तो बनती रहेंगी किंतु जनता का क्या मिलेगा। इसकी सच्चाई वह जान रही है, और देख भी रही है। एक सडक 15 साल में भी पूरी नहीं हो पाती। जो सडकें ठीक स्थिति में रहती है उन्हें भी खोदकर नष्ट कर दिया जाता है फिर उन्हें सुधारने के लिए कोई एजेंसी सामने नहीं आती। ऊपर से आदेश व निर्देश जारी हो जाते हैं कि सडकों को उसी तरह से बनाना है जैसे पहले थी।

सखी वेश में राधा रानी के संग युगल किशोर जी ने खेली होली

दर्शन के लिए हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

नवभारत न्यूज

पन्ना,6 मार्च। बुंदेलखंड सहित प्रदेश के आस्था का केंद्र पवित्र नगरी पन्ना में विश्व प्रसिद्ध मंदिरों मे होने वाले आयोजन आज भी अपनी अमिट छाप छोड़े हुये हैं। इसी कड़ी में वर्ष में एक बार होली के बाद तृतीया को एक मात्र भगवान युगल किशोर जी सखी वेश धारण कर महारानी राधा के साथ होली खेली।

इस परंपरा को समूचे बुंदेलखंड के लोग बडे उत्साह के साथ मनाया गया और हजारों श्रृद्धालु इस दिन श्री युगल किशोर जी मंदिर पन्ना पहुंचे। चैत्र माह की तृतीया को यहां भगवान श्री जुगुल किशोर जी सखी वेष धारण किया।

भगवान के इस सखी वेष के दर्शन करने पन्ना के श्री जुगुल किशोर जी मन्दिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। आज भगवान युगल किशोर जी ने महारानी राधा जी के वस्त्र घांघरा एवं चोली पहनी और सिर पर चुनरी डाली हैं वहीं राधा रानी जी अपने सिर में मुकुट धारण कर हाथों मे बांसुरी धारण कर लेती हैं। वर्ष में मात्र एक बार सजने वाली भगवान के सखी वेश की इस मनोरम झांकी के दर्शन के लिये पन्ना सहित बुंदेलखंड के अन्य जिलों के दर्शनार्थी हजारों की संख्या में पहुंचे।

प्रबंधक, खरीदी केन्द्र प्रभारी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर को भी जारी किया गया था नोटिस

नवभारत न्यूज

पन्ना 6 मार्च। पन्ना जिले के रैपुरा क्षेत्र के धान खरीदी केन्द्रों में लापरवाही की जानकारी संज्ञान में आने पर प्रशासन द्वारा तत्समय ही प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति फतेहपुर के समिति प्रबंधक रामदास साहू, खरीदी केन्द्र प्रभारी कैलाश विश्वकर्मा और कम्प्यूटर ऑपरेटर देवेन्द्र सिंह लोधी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

इस संबंध में गत दिवस कतिपय समाचार पत्रों में दो खरीदी केन्द्र में धान घोटाला, एक पर कार्यवाही और दूसरे पर मेहरबानी शीर्षक से प्रकाशित खबर के संबंध में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रदीप त्रिपाठी द्वारा अवगत कराया गया कि प्रशासन द्वारा धान खरीदी केन्द्र प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति रैपुरा खरीदी स्थल कृषि उपज मंडी रैपुरा में रखी धान में पानी छिड़काव की सूचना प्राप्त होने पर संयुक्त जांच दल द्वारा खरीदी केन्द्रों की जांच की गई थी। इस संबंध में समिति प्रबंधक सुरभि गुप्ता, खरीदी केन्द्र प्रभारी राजेश कुमार लोधी तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर चरण सिंह लोधी को तीन बिन्दुओं पर गत 25 फरवरी को नोटिस जारी किया गया। इसी क्रम में जिला कलेक्टर द्वारा गत 2 मार्च को ही फतेहपुर समिति प्रबंधक, खरीदी केन्द्र प्रभारी तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर को नोटिस जारी करने की कार्रवाई की जाकर समय सीमा में जवाब चाहा गया था। प्रस्तुत जबाव के आधार पर प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जाएगी।

तेज रफ्तार बाइक फिसलने से दो युवकों की मौत

पन्ना 6 मार्च। थाना बृजपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनौजा के पास स्थित ठाकुर बाबा मोड़ पर मंगलवार 3 मार्च को हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौंके पर ही मौंत हो गई। जानकारी के अनुसार बाइक क्रमांक एमपी 35 जेडई 6712 में सवार दो युवक बृजपुर से पहाड़ीखेड़ा की ओर जा रहे थे। बाइक की रफ्तार अत्यधिक तेज थी। ठाकुर बाबा मोड़ पर चालक संतुलन खो बैठा और बाइक फिसलते हुए दूर जा गिरी। हादसे में कृष्ण कुमार गौंड़ 25 वर्ष पिता मनीराम गौंड, निवासी ग्राम रखैल और उसके साथी की मौंके पर मौंत हो गई। दूसरे युवक की शिनाख्त के प्रयास पुलिस द्वारा किए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही बृजपुर थाना प्रभारी शक्ति प्रकाश पाण्डेय अपनी टीम के साथ मौंके पर पहुंचे।

सार्वजनिक सभा में जूता दिखाने वाले नेताओं पर कार्यवाही किए जाने की मांग

नवभारत न्यूज

पन्ना 6 मार्च। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिषद के अध्यक्ष श्री राम पाठक की अध्यक्षता मे एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें गत 1 मार्च को छतरपुर में एक सार्वजनिक सभा के दौरान सुनील आस्ते नाम के व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक सभा में खुलेआम प्रशासन द्वारा दी गई सभा की अनुमति की शर्तों का उल्लंघन करती हुई सामाजिक विवाद पैदा करने के उद्देश्य से न केवल मंच से जूता दिखाया बल्कि अपमानजनक बातें भी कहीं।

उक्त व्यक्ति द्वारा जानबूझकर के समाज में दंगा फैलने जातिगत विवाद पैदा करने के उद्देश्य से ही यह सब किया गया। जिसका पुरजोर विरोध करते हुए कार्यवाही की मांग की है बताया गया कि उसने शासन प्रशासन का भी अपमान किया शासन प्रशासन द्वारा दी गई अनुमति का भी अपमान किया और स्वयं को यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि वह शासन प्रशासन और सरकार से भी बढ़कर है अभी छतरपुर जिला प्रशासन ने ना तो सभा के आयोजकों पर कोई कार्यवाही की ना ही इस तरह की घटिया बयान बाजी करने वाले व्यक्तियों पर और ना ही सार्वजनिक रूप से मंच से जूता दिखाने वाले व्यक्ति पर जबकि उसे व्यक्ति को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए यह सब शासन प्रशासन की जिम्मेदार अधिकारियों के रहते हुए लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई इस सभा में दामोदर मंडल और आरडी प्रजापति ने भी कई तरह की विवादित बयान दिए आखिर

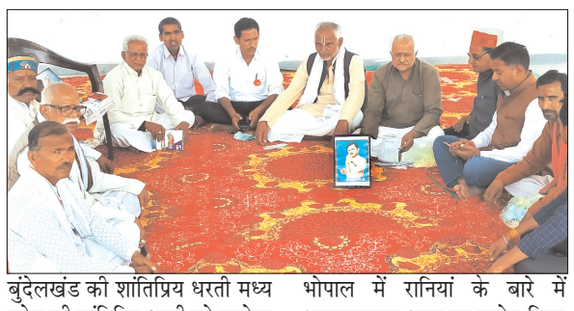

बुंदेलखंड की शांतिप्रिय धरती मध्य प्रदेश की शांतिप्रिय धरती को दामोदर मंडल आरडी प्रजापति और महेंद्र प्रताप सिंह जैसी व्यक्ति सुनील असते जैसे व्यक्ति विवादित क्यों बनना चाहते हैं। और शासन प्रशासन ऐसे व्यक्तियों पर मेहरबान क्यों है। एक घटिया मानसिकता के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा की घटिया मानसिकता का समर्थन करते हैं आरडी प्रजापति ने 18 जनवरी को भोपाल में रानियां के बारे में अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया साधु संतों के बारे में अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और छतरपुर में तो सीमा पार करके सार्वजनिक रूप से मंच से जूता दिखाकर न केवल शासन प्रशासन को अपमानित किया गया बल्कि सार्वजनिक रूप से आम जनता को भी अपमानित किया गया।

बैठक मे अजयगढ़ क्षेत्र के रामेश्वर प्रसाद खरे, मलखान सिंह, दादूराम मिश्रा, गणेश प्रसाद अवस्थी, कुंवर सिंह, शंकर सिंह बुंदेला, बब्बू राजा बुंदेला, वीरेंद्र सिंह, अरविंद द्विवेदी, कमलेश मिश्रा, भोला गौतम, लखन लाल यादव, छोटेलाल लोधी, जगजीवन लाल लोधी, सीता शरण दीक्षित, अशोक शुक्ला, राजकुमार पांडे, कुंज बिहारी दुबे, अनुराग तिवारी, दीपू द्विवेदी, रमेश द्विवेदी सहित अन्य कई उपस्थित क्षेत्रीय लोगों ने छतरपुर में सार्वजनिक रूप से प्रशासन की अनुमति की विपरीत बयान बाजी करने अपमानजनक भाषण बाजी करने वाले व्यक्तियों आयोजन करने वालों तथा जूता दिखाने वाली व्यक्ति पर कठोर कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति शासन प्रशासन की नियमों का उल्लंघन न कर सके।

छात्रों ने अंतर विश्वविद्यालयीन स्तर की प्रतियोगिता में किया प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

पन्ना 6 मार्च। दिनांक 02 मार्च से आरम्भ एच.एस.एन.सी विश्वविद्यालय मुंबई द्वारा आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय अंतर्विश्वविद्यालय शतरंज पुरुष प्रतियोगिता में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के दो छात्र हर्ष मिश्रा बी.एस.सी. तृतीय वर्ष एंव दीपेश रैकवार एम.ए द्वितीय सेमेस्टर का चयन महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के शतरंज पुरुष दल में किया गया है।

महाविद्यालय के दोनों छात्र इससे पूर्व दिसंबर माह में आयोजित राज्य स्तर एवं अक्तूबर माह मे आयोजित संभाग स्तर की शतरंज प्रतियोगिताओं में भी महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर चुके है, उपरोक्त प्रतियोगिताओं में इनके शानदार खेल प्रदर्शन के आधार पर ही दोनों छात्रो ने विश्वविद्यालय दल में अपनी जगह बनाई है। महाविद्यालय के छात्रो की इस शानदार खेल उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है एवं छात्रो की इस सफलता पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.एस.डी चतुर्वेदी द्वारा शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रेषित किया है।

धतूरे का काढ़ा पीने के बाद बिगड़ी एक ही परिवार के तीन लोगों की हालत

जिला अस्पताल पन्ना में उपचार के लिए भर्ती

नवभारत न्यूज

पन्ना 6 मार्च। बिना चिकित्सालय सलाह के अपनाया गया एक तथाकथित देशी नुस्खा पूरे परिवार पर भारी पड़ गया। हाथ पैर और कमर के दर्द से राहत पाने की कोशिश में मां और उसके दो बच्चों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार पन्ना निवासी 45 वर्षीय सावित्री बाई पिछले कुछ समय से जोड़ों और कमर दर्द से परेशान थी। किसी परिचित ने उन्हें सलाह दी कि धतूरा और गरज नामक स्थानीय जडी बूटी का काढ़ा पीने से पुराना दर्द ठीक हो जाता है। सलाह पर भरोसा कर सावित्री बाई ने घर पर ही काढ़ा तैयार किया। दोपहर में उन्होंने स्वयं वह काढ़ा पिया और अपने बेटे शिवम आदिवासी 22 तथ बेटी रेखा आदिवासी 24 को भी पिला दिया। राहत मिलने के बजाय कुछ ही देर में तीनों की तबीयत बिगड़ने लगी। अचानक तेज चक्कर, लगातार उल्टियां और शरीर में सुन्नता जैसे लक्षण सामने आए। हालत बिगड़ती देख परिजन घबरा गए और तुरंत तीनों को जिला अस्पताल पन्ना पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्रारंभिक जांच के बाद इसे भोजन विषाक्तता का मामला मानते हुए तत्काल उपचार शुरू किया।

डॉक्टरों का कहना है कि धतूरा अत्यंत विषैला पौधा है और इसका सेवन जानलेवा साबित हो सकता है। समय पर अस्पताल पहुंचने से बड़ा खतरा टल गया।

अब 10 तक होंगे किसान पंजीयन, 12 हजार किसान पंजीकृत

नवभारत न्यूज

पन्ना 6 मार्च। शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए गत 7 फरवरी से किसान पंजीयन का कार्य निरंतर संचालित है.

जिसके तहत अब किसान पंजीयन की तिथि 7 मार्च से बढ़ाकर 10 मार्च निर्धारित की गई है। जिले के तहसीलवार कुल 46 पंजीयन केन्द्रों पर किसानों का नि:शुल्क पंजीयन किया जा रहा है। कृषक एमपी ऑनलाइन अथवा कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क में अधिकतम 50 रूपए का शुल्क देकर सशुल्क पंजीयन भी करा सकते हैं। एमपी किसान एप के माध्यम से भी किसान पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अब तक जिले के 12 हजार 798 किसानों द्वारा पंजीयन करवाया जा चुका है। इस संबंध में सभी किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त करने के लिए अविलंब पंजीयन कराने की अपील की गई है। पंजीयन उपरांत राजस्व विभाग द्वारा किसान पंजीयन का सत्यापन कार्य भी किया जाएगा।

अर्पित बने प्रदेश किसान मोर्चा कार्यालय मंत्री

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 6 मार्च। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा द्वारा गत दिवस किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई.

इस कार्यकारिणी में अर्पित सिंह को किसान मोर्चा का प्रदेश कार्यालय मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है इसके पूर्व में यह सह कार्यालय मंत्री पद का निर्वहन कर चुके हैं इनकी नियुक्ति पर समर्थकों ने बधाई दी है।

आपात स्थिति में संपर्क के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

नवभारत न्यूज

पन्ना 6 मार्च। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रहे वर्तमान संघर्ष की स्थिति के दृष्टिगत राज्य के नागरिकों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।

इसके लिए वल्लभ भवन भोपाल तथा मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली में 24 घंटे एवं सात दिवस संचालित कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। प्रभावित क्षेत्र में मध्यप्रदेश के किसी नागरिक के साथ किसी भी प्रकार की आपात स्थिति, दुर्घटना अथवा अन्य किसी आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए तत्काल हेल्पलाइन नंबर्स पर संपर्क करने की सलाह दी गई है। प्राप्त प्रकरणों में भारत सरकार एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जाएगी। वल्लभ भवन भोपाल स्थित कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 0755-2708055 एवं 2708059 है, जबकि व्हाट्सएप नंबर 7648862100 तथा ईमेल संपर्क एसडीईआरएफ डॉट व्हीबीएसआर एट जीमेल डॉट कॉम है।

विकसित भारत युवा संवाद का आयोजन 9 को

नवभारत न्यूज

पन्ना 6 मार्च। मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के प्राचार्य डॉ एस डी चतुर्वेदी के संरक्षण में एवं कृतिका कुहर जिला युवा अधिकारी पन्ना के मार्गदर्शन में दिनांक 09 मार्च को विकसित भारत युवा संसद 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है।

जिसका शीर्षक आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबकश् पर जिले के विद्यार्थी जिनकी उम्र 18 से 25 वर्ष है सहभागिता करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में भारतीय संसदीय परंपरा का ज्ञान एवं समझ विकसित करना है। युवा संसद कार्यक्रम विद्यार्थियों में मंच संवाद एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा। उपरोक्त शीर्षक पर विद्यार्थियों को लगभग तीन मिनट का भाषण प्रस्तुत करेंगे। जिला स्तरीय चयनित दस विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश विधानसभा में जाने का अवसर मिलेगा तत्पश्चात विधानसभा से चयनित विद्यार्थियों को भारतीय संसद नई दिल्ली में जाने एवं अपने विचार रखने का अवसर मिलेगा।

सत्तासीन भाजपा सरकार में जनाधार वाले पुराने नेताओं की न पार्टी में पूछपरख न प्रशासन में कोई सुनवाई

नेताओं के फोन के बगैर अधिकारी नहीं करते सुनवाई, हर क्षेत्र के लिए तैनात हैं पावरफुल नेता, वरिष्ठों की जगह कनिष्ठों को महत्व

नवभारत न्यूज

पन्ना 6 मार्च। पांचवी पंचवर्षीय सत्ता सुख भोगने वाली भाजपा में अब कहीं न कहीं अब काफी बदलाव देखा जा रहा है अब महत्व जनाधार के आधार पर नहीं चाटूकारिता के आधार पर महत्व मिलना भाजपा के लिए घातक साबित हो सकता है। अब जो देखा जा रहा है वह यह है कि चुनाव के समय वरिष्ठ नेताओं एवं जनाधार वाले नेताओं की पूंछ परख बढ़ जाती है और फिर पांच साल तक सत्ता की चासनी मलाई भोगी नेता उठाते हैं।

वर्तमान मे भी देखा जाये तो पन्ना जिले मे जितने भी कारोबार हैं चाहे वह रेत का कारोबार हो या खनन का या ठेकेदारी या मटेरियल सप्लाई का कारोबार हो। सभी कारोबार मे जनप्रतिनिधियों के चहेतों, परिजनों, रिश्तेदारों एवं चाटूकारों का कब्जा है। रेत के कारोबार मे तो एक ही विशेष परिवार के सदस्यों का कब्जा विगत 10 वर्षो से चर्चाओं में हैं। फीलगुड वाली भाजपा के नेता इन दिनों आत्मिक तौर पर फील गुड का आभास नहीं कर रहे हैं। बडे से लेकर छोटे नेता तक कहीं न कहीं तनाव की स्थिति से गुजर रहे है। जिन नेताओं को क्षेत्र की जनता सर आंखों पर लेकर रहती है, उन्हीं नेताओं की सुनवाई नहीं हो पा रही है। छोटे कार्यकर्ताओं की स्थिति यह है कि क्षेत्र के अफसर भी उन्हें भाव देना नहीं स्वीकारते।

अलबत्ता निचले कार्यकर्ता से लेकर ऊपर तक का कद्दावर नेता कहीं न कहीं मानसिक रूप से तनाव में आ चुका है

कि वर्तमान परिवेश में भाजपा में यह क्या हो रहा है। राजनीतिक मामलों में धनी रहने वाले पन्ना के नेता हमेशा प्रदेश में अपनी अलग छाप छोड़ने के लिए मशहूर रहे है जिद पन के चलते हमेशा पन्ना के नेताओं की यह शैली ही रही है कि वह शीर्ष पर बने रहे तथा स्थानीय स्तर पर उनकी, उनके पार्टी की और उनके कार्यकर्ताओं की चलती रहे। लेकिन वर्तमान में जो स्थितियां दिखाई दे रही है वह कमोवेश उन नेताओं के पक्ष में नहीं दिख रही हैं जिन्हें यहां की जनता कद्दावर नेता के रूप में देखती है। आमतौर पर यह माना जाता है कि संगठन में नियुक्ति भी कद्दावर नेताओं के इशारे पर या उनकी सिफारिश पर होती है। इन सबसे इतर हटकर एक महत्वपूर्ण बात यह भी सामने आई है कि क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को वहां के अधिकारी जरा सी तरजीह देना उचित नहीं समझते। अधिकारियों का कहना यह है कि वह सीधे ऊपर से जुडे हुए है इसलिए उन्हें किसी बात का डर नहीं है। लिहाजा क्षेत्रीय अधिकारी अपने हिसाब से ही काम करते हैं चाहे वह गलत करें अथवा सही।

उनकी भावनाओं का नहीं है किसी को ध्यान

सबसे ज्यादा भाजपा कार्यकर्ता हैं जो क्षेत्रीय स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए दिन रात एक करते रहते हैं। अब सबसे बडी दिक्कत यह है कि उनके पास भी लोग कुछ न कुछ काम लेकर आ ही जाते हैं। जब यह नेता स्थानीय अधिकारियों के पास किसी भी व्यक्तिगत या सार्वजनिक सिफारिश लेकर पहुंचते हैं तो उन्हें सीधे कह दिया जाता है कि ऊपर से फोन करवाओं तो सोचा जाएगा। इन हालातों में उन कार्यकर्ताओं या क्षेत्रीय नेताओं की क्या स्थिति बनती होगी, स्वयं सोचनीय है। अलावा पन्ना जिले में भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेता से लेकर निचले स्तर तक का कार्यकर्ता भी कहीं न कहीं तनाव की स्थिति में है क्योंकि अधिकांश के न तो व्यक्तिगत काम हो रहे है और न ही सार्वजनिक।